K

(Printed Pages 4)

18/24

B.A. (Part-II) Examination, 2018

HINDI

Second Paper

(हिन्दी नाट्य साहित्य)

Time : Three Hours] *[Maximum Marks : 100*

नोट : **सभी** खण्डों से निर्देशानुसार प्रश्न हल कीजिए।

खण्ड - क

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : इस प्रश्न के **सभी** भागों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक भाग का उत्तर लगभग 50 शब्दों में दीजिए। 2×10=20

1. (i) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के दो पत्रिकाओं का नाम लिखिए।
   (ii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के चार नाटकों का उल्लेख कीजिए।
   (iii) चन्द्रगुप्त के चरित्र की चार विशेषताएँ बताइये।
   (iv) जयशंकर प्रसाद के चार नाटकों का उल्लेख कीजिए।
   (v) ध्रुवस्वामिनी की चारित्रिक विशेषताएँ संक्षेप में लिखिए।
   (vi) "सिन्दूर की होली" नाटक के नाटककार का नाम लिखिए और यह किस प्रकार का नाटक है?
   (vii) नाटक के कितने तत्व है? क्रमानुसार उल्लेख कीजिए।

https://www.vbspustudy.com

(viii) 'मम्मी ठकुराइन' के लेखक का नाम लिखिए एवं उद्देश्य बताइये।

(ix) मोहन राकेश के नाटकों का उल्लेख कीजिए।

(x) धर्मवीर-भारती की दो एकांकियों का उल्लेख कीजिए।

खण्ड - ख

(व्याख्या एवं लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में दीजिए। 10×5=50

2. निम्नलिखित गद्यांश की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए :

निर्लज्ज! मद्यप!! क्लीव!!! ओह, तो मेरा कोई रक्षक नहीं? (ठहरकर) नहीं मैं अपनी रक्षा स्वयं करूँगी! मैं उपहार में देने की वस्तु शीतल-मणि नहीं हूँ। मुझमें रक्त की लालिमा है, मेरा हृदय उष्ण है और आत्म-सम्मान की ज्योति है। उसकी रक्षा मैं ही करूँगी।

अथवा

रानी! तुम स्त्री हो! क्या स्त्री की व्यथा न समझोगी? आज तुम्हारी विजय का अहंकार तुम्हारे शाश्वत स्त्रीत्व को ढँक ले, किन्तु सबके जीवन में एक बार प्रेम की दीपावली जलती है। जली होगी अवश्य। तुम्हारे जीवन में वह आलोक का महोत्सव आया होगा, जिसमें हृदय-हृदय को पहचानने का प्रयत्न है, उदार बनता है और सर्वस्व दान करने का उत्साह रखता है।

https://www.vbspustudy.com

3. अरे, मर्दों का काम तो है ही पढ़ना और काबिल होना। अगर औरतें भी यहीं करने लगी, अंग्रेजी अखबार पढ़ने लगीं और 'पॉलिटिक्स' वगैरह पर बहस करने लगी तब तो हो ही चुकी गृहस्थी। जनाब, मोर के पंख होते हैं, मोरनी के नहीं, शेर के बाल होते हैं शेरनी के नहीं।

अथवा

नहीं! मैं आप से दिल्लगी नहीं कर रहा हूँ। आप लोग हमसे एक पीढ़ी आगे हैं, पर अगर आप से हिसाब माँगा जाये तो आप के पास क्या है? आप मुझे बताइये, आप लोगों ने दुनिया को क्या दिया है? मैं वैज्ञानिक आविष्कारों की बात नहीं करता, उसकी तो पूरी एक स्कीम है, जिसमें पीढ़ियों और समाज का कोई दखल नहीं है, वह तो प्रकृति धीरे-धीरे अपने आप पूरा कर रही है।

4. अब मुझे कह लेने दीजिए, बाबूजी! .... ये जो महाशय मेरे खरीददार बन कर आये हैं, इनसे ज़रा पूछिए कि क्या लड़कियों के दिल नहीं होते? क्या उनके चोट नहीं लगती? क्या वे बेबस भेड़ बकरियाँ हैं, जिन्हें कसाई देख-भाल कर खरीदते है?

अथवा

स्वच्छता बुरी नहीं, न सुरुचि बुरी है, पर तुम तो हर चीज को सनक की हद तक पहुँचा देती हो, और सनक से मुझे चिढ़ है (फिर कमरे में घूमने लगता है) [illegible] और तौलिया [illegible] कैद मैंने मान ली, किन्तु यदि मैं गलती से [illegible]

https://www.vbspustudy.com

पाऊँ या गलत तौलिया ले लूँ तो इसका यह मतलब तो नहीं कि मैं स्वभाव से गन्दा हूँ और मेरे इस स्वभाव पर तुम्हें मुँह फुलाकर बैठ जाना या अपनी विषैली हँसी बिखेरना चाहिए।

5. नाटक एवं एकांकी में क्या अन्तर है?

अथवा

ध्रुवस्वामिनी की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

6. 'रीढ़ की हड्डी' एकांकी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'समुद्र गुप्त पराक्रमाङ्क' एकांकी की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

खण्ड - ग

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। 15×2=30

7. नाट्य तत्वों के आधार पर ध्रुवस्वामिनी के चरित्र की समीक्षा कीजिए। https://www.vbspustudy.com

8. 'सिन्दूर की होली' नाटक के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

9. एकांकी तत्वों के आधार पर 'समुद्रगुप्त पराक्रमाङ्क' की समीक्षा कीजिए।

10. "तौलिए" एकांकी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

11. 'सीमा-रेखा' एकांकी के विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

https://www.vbspustudy.com